World Soil Day: 05/12/2025

स्वस्थ मृदा ही मानव जीवन का आधार-

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में आज विश्व मृदा दिवस का भव्य और ज्ञानवर्धक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान तथा विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के प्रथम एवं पूर्व कुलगुरु माननीय प्रोफेसर डॉ. एन. एस. राठौड़ रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई और अतिथियों का स्वागत किया गया।
इस वर्ष की थीम "स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मृदा" पर कार्यक्रम केंद्रित रहा।

मुख्य अतिथि कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने कहा1 पेड़ माँ के नाम" अभियान से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दें।फसल चक्र अपनाएँ और ड्रिप इरीगेशन से पानी बचाएँ।TDS, EC व pH की नियमित जाँच कराकर वैज्ञानिक पद्धति से खेती करें।सब्जियों में रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से बचें और वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापित करें।मिथेन गैस से बचाव के लिए खाद का उपयोग सूर्योदय से पहले करेंआवश्यकतानुसार जिप्सम का उपयोग मिट्टी सुधार के लिए अत्यंत लाभकारी है,उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों को लगातार तकनीकी प्रशिक्षण देकर कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाएगा।इस अवसर पर प्रथम एवं पूर्व कुलगुरु माननीय प्रोफेसर डॉ. एन. एस. राठौड़ ने कहा—
"भूमि जीवित है, इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।"
डॉ. राठौड़ ने बताया कि चीन और फ्रांस की तरह उच्च उत्पादकता पाने के लिए किसानों को आधुनिक तकनीकें अपनानी होंगी।
डॉ. राठौड़ ने बताया कि भूमि में कार्बनिक पदार्थ सामान्यतः 1-5%होना चाहिए किन्तु राजस्थान की मृदा में यह मात्र 0.15 % से 0.4% ही उपलब्ध है।
उन्होंने कहा—

- भूमि एक जीवित इकाई है, इसे कचरा और रसायनों से प्रदूषित करना बंद करें।
- राजस्थान की लगभग 65% खेती वर्षा आधारित है, इसलिए नेचुरल फार्मिंग अपनाना अत्यंत जरूरी है।
- सॉयल हेल्थ कार्ड की रिपोर्ट के आधार पर ही खाद और उर्वरकों का उपयोग करें।
- संतुलित उर्वरक उपयोग, नेचुरल फार्मिंग, ऑर्गेनिक खेती, नैनो उर्वरक ही भविष्य की कुंजी हैं।
- खेती के छह आधार—मिट्टी, पानी, बीज, जलवायु, कृषि प्रबंधन एवं किसान नवाचार—पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। डॉ डी. आर. बिस्वास पूर्व प्रधान वैज्ञानिक आई ए आर आई नई दिल्ली ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान से वर्ड सॉइल डे के बारे में बताया इस अवसर पर निदेशक कृषि अनुसंधान डॉ उम्मेद सिंह, ने भी मृदा की गुणवत्ता बनाए रखने व शहरीकरण के कारण वातावरण में इस के दुष्परिणाम के बारे में बताया

मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील दाधीच शर्मा ने कहा कि यदि मृदा स्वस्थ नहीं है, तो मनुष्य और पशु जीवन दोनों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा—इसलिए किसान जागरूक रहें। इस अवसर पर निदेशक रारी डॉ हरफूल सिंह ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार जताया इस मौक़े पर डॉ एल एन बैरवा अधिष्ठाता,डॉ आर एन शर्मा निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ के के मीणा नोडल ऑफिसर , डॉ के सी गुप्ता सह अधिष्ठाता ,आदि भी मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रतिभा सिंह ने किया ।इस मौक़े पर रारी के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

L DAY
ural Chemistry
obner) Durgapura -Jaipur
8
Dr. Ummed Singh
Dr. N.S. Rathore

WORLD SOIL DAY
WORKSHOP
WORLD SOIL DAY
WORKSHOP
WORLD SOIL DAY
WORKSHOP

WORLD SOIL DAY
WORKSHOP
05th December, 2025
GLOBAL SYMPOSIUM ON SOIL SEALING AND URBAN SOILS
Healthy soils for healthy cities
HYBRID EVENT
6-7 OCTOBER
PISA, ITALY
Global Symposium on Soil Sealing and Urban Soils was held in Pisa, Italy, on 6–7 October 2025, Co-organized by FAO, its Global Soil Partnership, the FAO Green Cities Initiative, and the International Union of Soil Sciences (IUSS).
The event brought together scientists, policymakers, and practitioners to rethink the role of soils in shaping healthier, more resilient cities.